

हम पीठ दुनी को देके चले इश्क तेरा लेके

1- वो दिल तो खाली हैं, जहाँ दर्द नहीं तेरा  
मेरे दिल की तो तुम जानो, जो हाल पिया मेरा  
कहनी से जुदा होके-2, चलें.....

2- सुनने को तो बहुत सुना, और हाल भी अपना  
कहा

क्या इससे हमने लिया, जो रहनी में न किया  
रहनी में पिया आके-2, चलें...

3- सब हाथ पिया तेरे, न बस में कुछ मेरे  
तुमने तो जब चाहा, वैसा ही आप किया  
यहीं भेद तेरा लेके-2, चलें.....

4- जुदा आप नहीं हमसे, न हम हैं जुदा तुमसे  
तन अर्श दिलों में तुम हो, और साथ यहाँ तुम हो  
हम एकदिली होके-2, चलें....